

गन्ने हेतु अतिरिक्त भुगतान

प्रलिस के लयः

गन्ना, उचतऱ और लाभकारी मूल्य (Fair and Remunerative Price- FRP)

मेन्स के लयः

कृषऱ मूल्य नरऱधारण, भारतीय अरथवयवसुथा में चीनी उत्पादन, गन्ना उदुयोग के समकष चुनौतयऱँ

चरुा में कयऱँ?

भारत सरुकार ने सहकारी चीनी मलऱँ दवारा कसऱनों को गन्ना हेतु कयऱँ गए अतिरिक्त मूल्य भुगतान को "व्यावसायकऱ वयय" के रूप में दावा करने की अनुमत्तऱ प्रदान करके एक महत्तुवपूरुण कदम उठाया है ।

गन्ने हेतु अतिरिक्त भुगतान का मुदुदाः

- गन्ना भारत में एक प्रमुख फसल है, खासकर महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और तमलिनाडु जैसे राजुयऱँ में ।
- केंद्र प्रतुयेक वरुष गन्ने के लयऱँ **उचतऱ और लाभकारी मूल्य** नरऱधारतऱ करता है, यह चीनी मलऱँ दवारा कसऱनों को उनके गन्ने की खरीद के लयऱँ भुगतान की जाने वाली नुनतम राशऱँ है ।
- हालाँकऱँ कऱँ सहकारी चीनी मलऱँ, वशऱँ रूप से महाराष्ट्र में कसऱनों को प्रोत्साहन अथवा बोनस के रूप में FRP से अधकऱ का भुगतान करती है । इसे अतिरिक्त गन्ना भुगतान (**Excess Cane Payment**) कहा जाता है ।
- इस अतिरिक्त गन्ना भुगतान के कारण सहकारी चीनी मलऱँ और आयकर वभऱग के बीच कर ववऱद खडुा हो गया है ।
 - ये मलऱँ अतिरिक्त भुगतान का दावा व्यावसायकऱ वयय के रूप में करती हैं, जबकऱँ वभऱग इसे मुनाफे का वतरऱण मानता है और इन पर कसऱँ भी प्रकार की छूट की अनुमत्तऱ नरऱँ देता है ।

ववऱद नपऱटान की प्रकरुयऱः

- भारत सरुकार ने वतऱतऱ अधनऱयऱम में संशुधन करते हुए वरुष 2015-16 के केंदुरीय बजट में सहकारी चीनी मलऱँ को अपनी व्यावसायकऱ आय की गणना के लयऱँ कटौती के रूप में अतिरिक्त गन्ना भुगतान का दावा करने की अनुमत्तऱ दी । हालाँकऱँ यह 2016-17 मूल्यांकन वरुष से लागू कयऱँ गया था ।
- भारत सरुकार ने सत्र 2023-24 के केंदुरीय बजट में सत्र 2015-16 से पहले के सभी वतऱतऱय वरुषऱँ के लयऱँ कटौती के लाभ में वृदुधकी है । यह आयकर अधनऱयऱम की धारा 155 में संशुधन कर कयऱँ गया था ।
- इस कदम से वतऱतऱय वरुष 2015-16 से पहले कयऱँ गए भुगतान के संबंघ में लंबतऱ कर मांगऱँ और मुकदमेबाजऱँ के वरऱदुध सहकारी चीनी मलऱँ को लगभग 10,000 करोडु रुपए की राहत मलऱऱने की उम्मीद है ।

उचतऱ और लाभकारी मूल्य (FRP):

- परचयः
 - यह सरुकार दवारा नरऱधारतऱ मूल्य है, चीनी मलऱँ कसऱनों से गन्ने की खरीद इस मूल्य पर करने को बाधुय है ।
- भुगतान और समझुऱँताः
 - मलऱँ को कानूनी तौर पर कसऱनों से खरीदे गए गन्ने के लयऱँ उन्हें FRP का भुगतान करना आवशुयक है ।
 - मलऱँ कसऱनों के साथ समझुऱँते पर हसुताकषर करने का वकऱलप चुन सकती हैं, जसऱँसे उन्हें कशऱँतऱँ में FRP का भुगतान करने की अनुमत्तऱ मलऱँ सके ।
 - वलऱंबतऱ भुगतान पर प्रतुवरुष 15% तक का बयऱज शुल्क लग सकता है और चीनी आयुकुत, मलऱँ की संपत्तऱयऱँ को संलगुन करके भुगतान न कयऱँ गये FRP की वसूली कर सकते हैं ।

■ शासी वनियम:

- गन्ने का मूल्य नरिधारण **आवश्यक वस्तु अधिनियम (ECA), 1955** के तहत जारी गन्ना (नरिंतरण) आदेश, 1966 के वैधानिक प्रावधानों द्वारा नरिंतरित होता है।
- नरिमों के मुताबकि, FRP का भुगतान गन्ना डलिवरी के 14 दनों के अंदर कया जाना चाहयि।

■ नरिधारण एवं घोषणा:

- FRP का नरिधारण **कृषलागत और मूल्य आयोग (CACP)** की सफारशों के आधार पर कया जाता है।
- **आर्थकि मामलों की कैबनित समति (CCEA)** ने FRP की घोषणा की।
- FRP की घोषणा आर्थकि मामलों की कैबनित समति (CCEA) द्वारा की जाती है।

■ वचिरणीय कारक:

- FRP में वभिन्न कारकों को ध्यान में रखा जाता है जसमें **गन्ना उत्पादन की लागत, वैकल्पकि फसलों से प्राप्त नधि,** कृष वस्तुओं की कीमतों में रुझान, उपभोक्ताओं को चीनी की उपलब्धता, चीनी का बकिरी मूल्य, गन्ने से चीनी की रकिवरी और गन्ना उत्पादकों के लयि आय सीमा शामिल है।



Prices of Sugarcanes are determined by Central and State Government.



Fair and Remunerative Price (FRP)

- The Central Government announces FRP which are determined on the recommendation of the CACP and announced by the Cabinet Committee on Economic Affairs (CCEA).
 - The FRP is based on the Rangarajan Committee report on reorganising the sugarcane industry.



State Advised Prices (SAP)

- The SAP is announced by the Governments of key sugarcane producing states.
 - The price is calculated by the experts, who calculate the entire economics of the crop by taking input cost and then suggest to the government, which may agree or not.

#EconomyAndEndeavour

//

गन्ना:

- **तापमान:** गर्म और आर्द्र जलवायु के साथ 21-27°C के बीच।
- **वर्षा:** लगभग 75-100 सेमी।
- **मिट्टी का प्रकार:** गहरी समृद्ध दोमट मिट्टी।
- **शीर्ष गन्ना उत्पादक राज्य:** उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, बिहार।
- ब्राज़ील के बाद भारत गन्ने का **दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक** है।
- इसे बलुई दोमट से लेकर **चिकनी दोमट मिट्टी तक** सभी प्रकार की मृदा में उगाया जा सकता है क्योंकि इसके लिये अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी की आवश्यकता होती है।
- इसमें बुवाई से लेकर कटाई तक शारीरिक श्रम की आवश्यकता होती है।
- यह चीनी, खांडसारी, गुड़ और शीरे का मुख्य स्रोत है।
- चीनी उपकरणों को वित्तीय सहायता बढ़ाने की योजना (SEFASU) और **जैव ईंधन पर राष्ट्रीय नीति**, गन्ना उत्पादन एवं चीनी उद्योग को समर्थन देने के लिये सरकार की दो योजनाएँ हैं।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

???????????????? ?????:

प्रश्न. भारत में गन्ने की खेती के वर्तमान रुझान के संदर्भ में नमिनलखित कथनों पर वचार कीजयि:(2020)

1. जब 'बड चपि सेटगि' को नर्सरी में उगाया जाता है और मुख्य खेत में प्रत्यारोपति कयिा जाता है, तो बीज सामग्री में पर्याप्त बचत होती है।
2. जब सेटों का सीधा रोपण कयिा जाता है, तो कई कलयिों वाले सेटों की तुलना में एकल कलयिों वाले सेटों में अंकुरण प्रतशित बेहतर होता है।
3. यदा पौधों को सीधे रोपने पर खराब मौसम की स्थिति बनी रहती है, तो बड़े पौधों की तुलना में एकल-कली वाले पौधों की उत्तरजीवति बेहतर होती है।
4. गन्ने की खेती टशिू कल्चर से तैयार सेटगिस का उपयोग करके की जा सकती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल 1 और 2
 (B) केवल 3
 (C) केवल 1 और 4
 (D) केवल 2, 3 और 4

उत्तर: (C)

व्याख्या:

- **ऊतक संवर्द्धन प्रौद्योगिकी:**
 - टशिू कल्चर एक ऐसी तकनीक है जसिमें पौधों के टुकड़ों को प्रयोगशाला में संवर्द्धति और वकिसति कयिा जाता है।
 - यह मौजूदा व्यावसायिक कसिमें के रोग-मुक्त बीज, गन्ने का तेज़ी से उत्पादन और आपूर्ति करने का एक नया तरीका प्रदान करता है।
 - यह मदर प्लांट का क्लोन बनाने के लयिे मेरसिंटेम का उपयोग करता है।
 - यह आनुवंशिक पहचान को भी सुरक्षति रखता है।
 - टशिू कल्चर तकनीक, अपने आवरण एवं संरचना की सीमाओं के कारण अलाभकारी साबति हो रही है।
- **बड चपि प्रौद्योगिकी:**
 - टशिू कल्चर के एक व्यवहार्य विकल्प के रूप में यह द्रव्यमान को कम करता है और बीजों के त्वरति गुणन को सक्षम बनाता है।
 - यह वधिदो से तीन कलयिों के रोपण की पारंपरिक वधिकी तुलना में अधिक कफियती और सुवधिाजनक साबति हुई है।
 - रोपण के लयिे उपयोग की जाने वाली बीज सामग्री पर पर्याप्त बचत के साथ रटिरन अपेक्षाकृत बेहतर प्राप्त होता है। **अतः कथन 1 सही है।**
 - शोधकर्त्ताओं ने पाया है कि दो कलयिों वाले सेट बेहतर उपज के साथ लगभग 65 से 70% अंकुरण दे रहे हैं। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
 - बड़े सेट खराब मौसम में बेहतर रूप से सुरक्षति रहते हैं, लेकिन एकल कलकिा वाले सेट भी रासायनिक उपचार से संरक्षति होने पर 70% अंकुरण देते हैं। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**
 - टशिू कल्चर का उपयोग गन्ने के अंकुरण के लयिे कयिा जा सकता है जसिे बाद में खेत में प्रत्यारोपति कयिा जा सकता है। **अतः कथन 4 सही है।** इसलयिे विकल्प (C) सही उत्तर है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

